<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

हरित ऊर्जा भारत की विकसित भारत यात्रा को शक्ति प्रदान करेगी: पी.एस.यू. शिखर सम्मेलन में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा



नई दिल्ली, जून 19, 2026

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज नई दिल्ली में आयोजित 9वें राष्ट्रीय पी.एस.यू. शिखर सम्मेलन में "पी.एस.यू. लीडर्स विजन: ड्राफ्टिंग इंडियाज ग्रोथ स्टोरी टुवर्ड्स 2047" विषय पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री दास ने इस बात पर जोर दिया कि 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के विकासशील भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की भारत की यात्रा मूल रूप से एक ऊर्जा कहानी है। उन्होंने कहा कि हरित वित्त भारत की ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और न्यूनतम आयात निर्भरता के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भारत की कुल विद्युत क्षेत्र निवेश की आवश्यकता अनुमानतः 2032 तक 50 लाख करोड़ रुपये एवं 2047 तक 200 लाख करोड़ रुपये की है। इस संबंध में विकसित वित्तीय संस्थानों को उभरते क्षेत्रों को जोखिम से मुक्त करने और व्यापक वाणिज्यिक पूंजी जुटाने के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए।

श्री दास ने प्रेषणता अंतर की ओर ध्यान आकर्षित किया जो की अगली महत्वपूर्ण चुनौती है। जबकि भारत ने 53.7% गैर-जीवाश्म स्थापित क्षमता हासिल की है। गैर-जीवाश्म स्रोत वास्तविक पीढ़ी का केवल 29.2% है। यह भंडारण समाधान एवं ग्रिड लचीलेपन को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्राथमिकताएं बनाता है।



उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऐसा विकास आवश्यक है, जो आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हो। जिसमें स्वच्छ हवा, सस्ती ऊर्जा और सार्वजनिक कल्याण भी जी.डी.पी. विकास के साथ प्रगति के घटक हेतु समान रूप से महत्वपूर्ण हों।

श्री दास ने बैटरी भंडारण, हरित हाइड्रोजन, अपतटीय पवन और टिकाऊ गतिशीलता को उन क्षेत्रों के रूप में पहचाना जो भारत के अगले विकास चक्र को परिभाषित करेंगे।